॥ राम भक्त ले चला रे, राम की निशानी ॥

॥ चौपाई ॥

प्रभु कर कृपा पावँरी दीन्हि ।
सादर भरत शीश धरी लीन्ही... ॥

राम भक्त ले चला रे राम की निशानी ।
शीश पर खड़ाऊँ, अखियों में पानी ॥

॥ राम भक्त लें चला रे, राम की निशानी... ॥

शीश खड़ाऊ ले चला ऐसे, राम सिया जी संग हो जैसे ।
अब इनकी छाव में, रहेगी राजधानी ॥

॥ राम भक्त लें चला रे, राम की निशानी... ॥

पल छीन लागे सदियों जैसे, चौदह बरस कटेंगे कैसे ।
जाने समय क्या खेल रचेगा, कौन मरेगा कौन बचेगा ॥

कब रे मिलन के फूल खिलेंगे, नदियाँ के दो पुल मिलेंगे ।
जी करता है यहीं बस जाए, हिलमिल चौदह वरष बिताएं,
राम बिन कठिन है, इक घड़ी बितानी ॥

॥ राम भक्त लें चला रे, राम की निशानी... ॥

तन मन बचन, उमंग अनुरागा ।
धीर धुरंधर, धीरज त्यागा,
भावना में बह चले, धीर वीर ज्ञानी ॥

॥ राम भक्त लें चला रे, राम की निशानी... ॥

राम भक्त ले चला रे राम की निशानी,
शीश पर खड़ाऊँ, अखियों में पानी ॥

॥राम भक्त लें चला रे, राम की निशानी... ॥

pujakatha.com

॥ Ram Bhakt Le Chala Re, Ram Ki Nishani ॥

॥ Chaupai ॥

Prabhu Kar Kripa Pavanri Deenhi ।
Saadar Bharat Sheesh Dhari Linhi… ॥

Ram Bhakt Le Chala Re Ram Ki Nishani ।
Sheesh Par Khadaun, Akhiyon Mein Pani ॥

॥ Ram Bhakt Len Chala Re, Ram Ki Nishani… ॥

Sheesh Khadau Le Chala Aise, Ram Siya Ji Sang Ho Jaise ।
Ab Inki Chhaav Mein, Rahegi Rajdhani ॥

॥ Ram Bhakt Len Chala Re, Ram Ki Nishani… ॥

Pal Chhin Laage Sadiyon Jaise, Chaudah Baras Katenge Kaise ।
Jaane Samay Kya Khel Rachega, Kaun Marega Kaun Bachega ॥

Kab Re Milan Ke Phool Khilenge, Nadiyan Ke Do Pul Milenge ।
Ji Karta Hai Yahin Bas Jaye, Hilmil Chaudah Varash Bitayen,
Ram Bin Kathin Hai, Ik Ghadi Bitaani ॥

॥ Ram Bhakt Len Chala Re, Ram Ki Nishani… ॥

Tan Man Bachan, Umang Anuraaga ।
Dheer Dhurandhar, Dheeraj Tyaaga,
Bhaavna Mein Bah Chale, Dheer Veer Gyaani ॥

॥ Ram Bhakt Len Chala Re, Ram Ki Nishani… ॥

Ram Bhakt Le Chala Re Ram Ki Nishani ।
Sheesh Par Khadaun, Akhiyon Mein Paani ॥

॥ Ram Bhakt Len Chala Re, Ram Ki Nishani… ॥

pujakatha.com